भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 678
बुधवार, 22 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भीषण लू की स्थिति का प्रभाव

†678. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवी:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026 के दौरान देश के कई हिस्सों में देखी गई भीषण लू की स्थिति का संज्ञान लिया है, जिसके तहत कई क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है और रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि जलवायु परिवर्तन और संभावित अल नीनो परिस्थितियों के कारण लू का आगमन समय से पहले हो रहा है तथा यह अधिक अवधि तक बनी रहती है;

(ख) चालू वर्ष के दौरान दर्ज की गई लू से संबंधित मौतों, पानी की कमी और बिजली की मांग का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार विशेषकर से महाराष्ट्र सहित नंदुरवार जैसे जनजातीय जिलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और अन्य एजेंसियों ने बाहर काम करने वालों, बच्चों, बुजुर्ग नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए संशोधित ग्रीष्मकालीन जीवन शैली संबंधी दिशानिर्देश जारी किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) जलवायु अनुकूलन, शहरी क्षेत्रों के शीतलन और लू-शमन उपायों के लिए आवंटित की गई धनराशि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) जी नहीं। डेटा से पता चलता है कि 2026 में देश के कई हिस्सों में ऐतिहासिक रूप से अत्यधिक लू (हीटवेव) की स्थिति नहीं देखी गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) अपने व्यापक निगरानी नेटवर्क के ज़रिए देश भर में लू की स्थिति पर लगातार नज़र रखता है और नियमित रूप से पूर्वानुमान और चेतावनी जारी करता है। 2026 के गर्म मौसम के दौरान, कुछ इलाकों, खासकर महाराष्ट्र के विदर्भ, दक्षिणी उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में हवा का तापमान 45°C से ज़्यादा दर्ज किया गया। जलवायु संबंधी डेटा इस बात की पुष्टि करते हैं कि इन इलाकों में ऐतिहासिक रूप से अप्रैल और मई के महीनों में, जब लू सबसे ज़्यादा होती है, ऐसा ही तापमान रहता है।

(ग)-(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन आईएमडी, मौसम संबंधी सब-डिविजन और ज़िला स्तर पर रोज़ाना विशेष लू चेतावनी बुलेटिन और स्थानीय स्तर पर प्रभाव -आधारित पूर्वानुमान (IBF) जारी करके देश भर में गर्मी से निपटने की योजना बनाने में मदद करता है। इन पूर्वानुमानों में जोखिम-आधारित परामर्श शामिल होते हैं, जो संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं। ये ऑपरेशनल अलर्ट रियल-टाइम में गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों (SDMAs), ज़िला मजिस्ट्रेटों, स्वास्थ्य विभागों और सार्वजनिक सेवा क्षेत्रों को भेजे जाते हैं। संस्थागत तैयारी को समय रहते सुनिश्चित करने के लिए, IMD नियमित रूप से मासिक और मौसमी लू आउटलुक जारी करता है। यह विभाग बुनियादी जलवायु जानकारी, रियल-टाइम मौसम की जानकारी और जोखिम विश्लेषण उपलब्ध कराता है, जो राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राज्य एजेंसियों को विभिन्न राज्यों में स्थानीय हीट एक्शन प्लान (HAPs) लागू करने में सक्षम बनाते हैं। इनमें से ज़्यादातर जन-केंद्रित लू जानकारी और जोखिम-मैपिंग टूल एक ओपन-एक्सेस, वेब-GIS प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध हैं, जिन्हें URL (https://dss.imd.gov.in/dwr_img/GIS/heatwave.html) पर देखा जा सकता है।

****